

राज्यपाल ने टैगोर जयंती के अवसर पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ: 9 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज जिलाधिकारी आवास के सामने स्थित रवीन्द्र नाथ टैगोर के प्रतिमा पर दीप जलाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री शिबते रजी, श्री मीर अब्दुल्ला जाफर, श्री सुधीर हलवासिया, सुश्री श्रुति सडोलीकर काटकर, कुलपति, भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय, लखनऊ बंगीय नागरिक समाज के पदाधिकारीगण सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। रवीन्द्र नाथ टैगोर के 154वीं जयंती पर 154 दीप जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रवीन्द्र नाथ विश्व कवि थे। ठाकुर रवीन्द्र नाथ की दो रचनायें, पहला जन गण मन हमारे देश का राष्ट्रगान बना तो दूसरी रचना आमार सोनार बांग्ला हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान बना। उनकी कवितायें अपनी मार्मिकता के कारण केवल बांग्लाभाषी समाज में ही नहीं अपितु समस्त भारतीय भाषाओं में समान रूप से लोकप्रिय हैं। साहित्य की शायद ही कोई ऐसी विधा हो जिस पर उनकी रचना न हो। उन्होंने अंग्रेजी पुस्तकों का भी अनुवाद किया। गीतांजलि के लिए उन्हें साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला। उन्होंने कहा कि गीतांजलि का अनेक विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

श्री नाईक ने कहा कि रवीन्द्र नाथ टैगोर ने जालियाँ वाला बाग काण्ड के बाद अंग्रेजों द्वारा दी गयी सर की उपाधि को वापस कर दिया। वे सच्चे देशप्रेमी थे। उन्होंने कहा कि उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके हम अपने कर्तव्यों की इतिश्री न करें बल्कि उनके विचारों, आदर्शों और कृतियों से कुछ सीख कर देश एवं समाज के कल्याण में सहयोग करें तो यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर एक पत्रिका का लोकार्पण भी किया तथा लखनऊ बंगीय नागरिक समाज की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए नीरू सान्याल, रोहित अग्रवाल, वरूण सरकार, शारदा प्रसाद मिश्रा, रणवीर बजाज, मानसी दत्ता व अन्य लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्री पी०के० दत्ता, संयोजक, लखनऊ बंगीय नागरिक समाज द्वारा किया गया।





